दैनिक
राष्ट्रीय प्रस्तावना
गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद, आजमगढ़, झांसी, एटा, औरैया, अमेठी, बलरामपुर, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर, जौनपुर, श्रावस्ती, उरई, जालौन, फिरोजाबाद, हरदोई, मथुरा, कानपुर, ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर, सिद्धार्थनगर, सन्तकबीरनगर, नोएडा सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

सौर ऊर्जा उत्पादन में भारतवर्ष दुनिया में तीसरे पायदान पर

लखनऊ। सौर ऊर्जा उत्पादन में भारतवर्ष दुनिया में तीसरे पायदान पर 2022 के 100 गीगावाट के सापेक्ष विगत दो तीन वर्षो में उत्पादन क्षमता बढ़ाने के पश्चात् 25 गीगावाट पहुँच चुका है। तथा अन्तरिम बजट में इसे और गति से बढ़ाने का अभियान चलाकर 2050 तक 200 गीगावाट का लक्ष्य रखा गया जिससे भारत वर्ष विद्युत ऊर्जा के उत्पादन और खपत में स्वतंत्र होकर अन्य देशों को आपूर्ति करने में सक्षम हो जाय। वरिष्ठ पर्यावरणविद डॉ0 भरत राज सिंह महा निदेशक स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साईसेज, लखनऊ द्वारा हरित - ऊर्जा के क्षेत्र में सौर ऊर्जा लगाओं पर्यावरण बचाओं, का विगत 7-वर्षो से अभियान चला रहें है और प्रदेश व देश की जनता को जागृत कर रहे है। इसमें लोगों को अधिक से अधिक जोड़ने तथा शासन व विभाग स्तर पर उनकी समस्याओं को दूर कराने हेतु एक संगठन (सौर विद्युत उपभोक्ता समिति, लखनऊ) का पंजीकरण 25-01-2019 को कराया है। जिसके अध्यक्ष डॉ0 भरत राज सिंह , सचिव व प्रबन्धक जे0 बी0 सिंह तथा कोषाध्यक्ष डॉ0 धमेन्द्र सिंह चुने गये है। इसके अरिरिक्त उपाध्यक्ष श्री अरूण सिंह आई0ए0एस0 (सेवानिवृत्त), संयुक्त सचिव श्रीमती मालती सिंह, सदस्यगण- सुमिंत पाण्डेय, विवके सिंह तथा गौरव सिंह है। संस्था सौर विद्युत उपभोक्ता समिति, लखनऊ का मूल उद्देश्य अधिक से अधिक सौर विद्युत उत्पादन व उपभोक्ताओं को राष्ट्र हित में जोड़ना तथा उनकी समस्याओं को दूर कर तीव्र गति से 'व्यक्तिगत-उत्पादकों के माध्यम से हितों व अनुपयोगी स्थलों पर सौर विद्युत को लगवाकर भारतवर्ष को विद्युत उत्पादन में स्वावलम्बी बनाना है।